समता पॉवर SAMTA POWER

('भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 25 के अंतर्गत पंजीकृत कम्पनी)
CIN:U40109RJ2006NPL022443
पंजीकृत कार्यालय : 54/144, मध्य मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राजस्थान)
आंचलिक कार्यालय: एस.एफ.14, गायत्री नगर, हि.म.सेक्टर 5, उदयपुर (राजस्थान) 313002

प्रेस-विज्ञप्ति **दि. 22 मई, 2021**

'राष्ट्रीय विद्युत नीति-2021 में व्यापक सुधार समावेश वांछित'

'समता पॉवर' द्वारा भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी 'राष्ट्रीय विद्युत नीति- 2021' प्रारूप पर आयोजित 'विचार संगोष्ठी' में बिजली क्षेत्र के पूरे देश से करीब 80 विषय विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने इस नीति में व्यापक सुधारों को समावेशित करने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किये.

संगोष्ठी का शुभारम्भ करते हुए 'समता पॉवर' के इंजी. धर्म देव अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2005 में जारी 'राष्ट्रीय विद्युत नीति-2205' में इन 16 वर्षों में बिजली उत्पादन, प्रसारण, वितरण,स्मार्ट मीटरिंग, ग्रिड प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा, विद्युत वाहन चार्जिंग ढाँचा आदि नवीनतम प्रोद्योगिक विकास को समावेशित करने हेतु 'राष्ट्रीय विद्युत नीति-2021' प्रारूप पर विचार-विमर्श हेतु गोष्ठी आयोजित की गयी है.

'समता पॉवर' के संस्थापक निदेशक इंजी.बाल मुकुंद सनाढ्य ने स्वागत उद्बोधन में बिजली की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को सहनीय दरों पर अच्छी बिजली पाने में यह नीति सहायक होनी चाहिये.

'प्रयास एनर्जी ग्रुप',पूणे के वरिष्ठ विशेषज्ञ इंजी. श्रीकुमार एन.ने 'पी.पी.टी' के माध्यम से इस नीति के विभिन्न प्रावधानो में वांछित संशोधन प्रस्तावित करते हुए बताया कि 'पर्यावरण - संरक्षण' के दृष्टिगत 'कोयला व गेस चालित बिजली संयंत्रों के बजाय सौर,पवन आदि स्वच्छ अक्षय ऊर्जा उत्पादन प्रणालियों तथा सौर ऊर्जा कृषि पम्प को बढावा, राज्य सरकारो, उपभोक्ता संगठनों, उपकरण निर्माताओ आदि से विचार विमर्श आवश्यक है.

'समता पॉवर' के इंजी.येवंती कुमार बोलिया ने पूरे देश के समाचार पत्रों में इसके मुख्य अंश सरल भाषा में प्रकाशन, हितधारकों को सुझाव प्रस्तुति हेतु पर्याप्त समय देने, पिछली नीति-2005 में वर्णित लक्ष्यों जैसे 2010 तक सभी गाँवों को व 2012 तक सभी घरों के विद्युतीकरण,ग्राम पंचायतो व स्वयँसेवी संस्थाओं आदि को विद्युत वितरण व्यवस्था सौंपने,विद्युत कर्मियों को प्रशिक्षण, उपभोक्ता शिक्षण, विद्युत वितरण कंपनियों को घाटे से उबार कर ऊचित दरों पर गुणवत्ता युक्त बिजली आपूर्ति, सुरक्षा प्रबंधन आदि की कितनी पूर्ति हुई, व नहीं होने के कारणों का विश्लेषण कर उनके निवारण के प्रयासों को इसमें शामिल कराना चाहिये.

'मारुति सेवा समिति' के श्री प्रमोद झंवर ने इस प्रारूप को हिंदी में भी उपलब्ध कराने तथा सभी जिलों में इस पर विचार विमर्श आयोजित कराने, उपभोक्ताओ की शिकायतों के त्वरित निवारण आदि पर जोर दिया.

87 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार श्री सीता राम झालानी ने इस नीति के लोक-सेवी होने की आवश्यकता बतायी.

'रा.रा.विद्युत उत्पादन निगम'के पूर्व अध्यक्ष इंजी. सुधीर कुमार कल्ला ने कई पुराने कोयला ताप बिजली घरों के बंद होने पर उनकी भूमि, संयंत्रों व विद्युत तंत्र का सौर व पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापन में उपयोगिता बतायी.

''रा.अक्षय ऊर्जा निगम'के पूर्व निदेशक इंजी. गोपाल सोमानी ने सौर ऊर्जा के सबसे सस्ती होने तथा उसके साथ बैटरी में विद्युत भंडारण व्यवस्था कर लगातार स्वच्छ ऊर्जा को प्रमुखता देने की आवश्यकता बतायी.

'राज.सोलर एसोसियेशन ' के सचिव श्री सुनील बंसल ने सौर ऊर्जा व'हाइब्रिड' व्यवस्था की उपयोगिता बतायी.

'रा.रा.वि.प्र.नि' के पूर्व मुख्य अभियंता व सलाहकार इंजी. डी.पी. चिरानिया ने विद्युत सुरक्षा पर बल दिया.

‘रीको’के पूर्व मुख्य अभियंता इंजी.ए.के.शर्मा,’बिट्सा इंटरनेशनल’ के निदेशक इंजी. कैलाश गुप्ता, ‘राज.खाद्य व्यापार संघ के अध्यक्ष श्री बाबु लाल गुप्ता, ‘रोटरी क्लब’ के स.प्रांतपाल श्री प्रदीप भालोटिया, ‘आरर्कियोलोजिस्ट श्री आलोक जैन, ‘भारतीय विद्युत उपकरण निर्माता संगठन ‘ईमा’के देवेंद्र सक्सेना आदि ने भी नीति के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रकट कर इस ‘नीति’ में समावेशित करने पर प्रकाश डाला . ‘जोधपुर वि.वि.नि.’ के पूर्व अध्यक्ष एवम् प्रबंध निदेशक तथा ‘समता पॉवर’ के वरिष्ठ निदेशक इंजी. भुवनेश चंद्र माथुर ने ‘भारत सरकार द्वारा 2018 में ही सभी घरों के विद्युतीकरण की घोषणा को अवास्तविक बताते हुए कहा कि अभी भी ‘जोधपुर डिस्कॉम’ के क्षेत्र में ही एक लाख से अधिक घर अविद्युतीकृत हैं व उनको बिजली पहुँचाने की कोई योजना नहीं होने से पता चलता है कि देश में अब भी लाखों ऐसे अविद्युतीक्रुत घरों तक बिजली हेतु व्यापक सर्वे तथा ‘ माइक्रो सोलर ग्रिड’ या अन्य योजनाऐं इस नीति में सम्मिलित की जानी चाहिये. उन्होने अंत में ‘ समता पॉवर’ की ओर से सभी वार्ताकारों व प्रतिभागियों का आभार ज्ञापित किया.

इंजी. येवंती कुमार बोलिया